DAF-1601030401040400 Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) (W.E.F.-2016) Examination

April – 2022

Hindi

(आधुनिक हिन्दी काव्य – धनुषभंग एवं व्याकरण)

(Old Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना :

(१) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(२) सभी प्रश्नों के अंक सामने दिये गये हैं ।

१ डॉ. किशोर काबरा के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ खण्डकाव्य के तत्वों के आधार पर धनुषभंग काव्य की चर्चा कीजिए । १४

२ 'धनुषभंग' काव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए । १४

अथवा

२ 'धनुषभंग' काव्य की कथावस्तु पौराणिक होते हुए भी उसमें आधुनिक युग की समस्याओं का सुंदर समन्वय हुआ है । – सतर्क उत्तर दीजिए । १४

३ 'धनुषभंग' काव्य का प्रमुख नायक निमि का चरित्र–चित्रण कीजिए । १४

अथवा

३ 'धनुषभंग' काव्य में ग्रामीण सभ्यता, संस्कृति एवं ग्रामीण जीवन का चित्रण हुआ है । – सतर्क उत्तर दीजिए । १४

४ किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : १४

(१) धनुषभंग काव्य का शीर्षक ।

(२) धनुषभंग काव्य की सीता ।

(३) धनुषभंग का गौतमऋषि ।

(४) धनुषभंग में प्रकृति–चित्रण ।

५ (अ) रशिया और युक्रेन के बीच युद्ध सम्बन्ध पर प्रेसनोट तैयार कीजिए । ७

अथवा

(अ) अपने कॉलेज में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम के संदर्भ में 'दैनिक' पत्रक में प्रकाशित करने हेतु प्रेसनोट लिखिए । ७

(ब) गुजराती में अनुवाद कीजिए : ७

दुःख के बिना सुख का और सुख के बिना दुःख का अस्तित्व नहीं है । जब तक हमें एक का अनुभव न होगा, तब तक दूसरे का अनुभव नहीं कर सकते । न संपूर्ण दुःख होना चाहिए और न संपूर्ण सुख । जीवन में सुख दुःख का मिश्रण होना चाहिए । यह मिश्रण मधुर होना चाहिए । ऐसा न होना चाहिए कि दुःख ही अधिक हो और सुख कम हो । दोनों की मात्रा समान होनी चाहिए, विषम नहीं ।

अथवा

(ब) हिन्दी में अनुवाद कीजिए : ७

તમે પૂછશો કે ક્રોધથી શો લાભ ? ક્રોધ વગેરે તો આપણા શત્રુઓ છે. પણ જો તેનોય સદુપયોગ કરીએ તો તે પણ બહુ કામના છે. આપણા દિલમાં ખોટું કરવાનો વિચાર આવે ત્યારે જો આપણને આપણા પર ક્રોધ આવે, તો આપણે ખોટું કરતા અટકીએ, આપણામાં રહેલી કુટેવો માટે તિરસ્કાર આવે, તો તે આપણામાંથી નીકળી જાય, એટલે એ કામ, ક્રોધ, તિરસ્કાર વગેરે વાપરતા આવડે તો આપણું કલ્યાણ થાય. વાપરતા ના આવડે તો નાશ થાય.